

अध्याय-1 | फसल उत्पादन एवं प्रबंध

बहुविकल्पी प्रश्न

- किसी स्थान पर एक ही किस्म के पौधों को बड़े पैमाने पर उगाने को क्या कहते हैं?
(a) सिंचाई (b) फसल
(c) निराई (d) कटाई
- निम्न में से खरीफ फसलों का सही समूह कौन-सा है?
(a) गेहूँ, चना, मटर (b) सरसों, गेहूँ, अलसी
(c) धान, मक्का, सोयबीन (d) चना, मटर, सरसों
- रबी फसलें सामान्यतः किस समय उगाई जाती हैं?
(a) जून से सितंबर (b) अक्टूबर से मार्च
(c) अप्रैल से जून (d) केवल जुलाई में
- फसल उत्पादन की कृषि पद्धतियों में पहला चरण कौन-सा है?
(a) कटाई (b) भंडारण
(c) सिंचाई (d) मिट्टी तैयार करना
- मिट्टी को उलटने-पलटने और पोला करने की प्रक्रिया कहलाती है—
(a) निराई (b) जुताई
(c) थ्रेशिंग (d) सिंचाई
- आजकल ट्रैक्टर द्वारा चलाया जाने वाला कौन-सा औजार जुताई में समय और श्रम की बचत करता है?
(a) दराँती (b) खुरपी
(c) कल्टीवेटर (d) फावड़ा
- पानी में डालने पर क्षतिग्रस्त बीज प्रायः क्यों तैरने लगते हैं?
(a) वे बहुत बड़े होते हैं (b) वे खोखले और हल्के हो जाते हैं
(c) उनमें अधिक जल होता है (d) वे अंकुरित हो जाते हैं
- सीड-ड्रिल का प्रमुख लाभ क्या है?
(a) फसल काटना (b) खरपतवार उगाना
(c) बीजों को उचित दूरी व गहराई पर बोना (d) अनाज सुखाना
- धान के बीजों को पहले पौधशाला में उगाकर बाद में खेत में लगाने की विधि कहलाती है—
(a) भंडारण (b) रोपाई
(c) निराई (d) कटाई
- विभिन्न फसलों को एक के बाद दूसरी फसल के रूप में निश्चित क्रम से उगाना कहलाता है—
(a) फसल चक्रण (b) जुताई
(c) थ्रेशिंग (d) फटकना

रिक्त स्थान :

11. यूरिया, अमोनियम सल्फेट, सुपर फॉस्फेट, पोटाश तथा NPK _____ के उदाहरण हैं।
12. पौधों एवं जन्तुओं के अपशिष्ट के अपघटन से प्राप्त जैविक पदार्थ को _____ कहते हैं।

सत्य / असत्य

13. कटाई के बाद खेत में बचे तनों को जलाने से प्रदूषण होता है तथा खेत में आग लगने का खतरा बढ़ सकता है।
14. केंचुए मिट्टी को उलट-पलटकर पोला बनाते हैं और उसमें वायु के आवागमन में सहायता करते हैं, इसलिए इन्हें किसान का मित्र माना जाता है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. खरपतवार क्या हैं? निराई किसे कहते हैं?
16. श्रेशिंग क्या है? कंबाइन मशीन का क्या कार्य है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. फसल की कटाई कैसे की जाती है? कटाई से संबंधित प्रमुख औजारों तथा कटाई के त्योहारों के उदाहरण लिखिए।
18. अनाज को भंडारण से पहले अच्छी तरह सुखाना क्यों आवश्यक है? अनाज के छोटे तथा बड़े पैमाने के भंडारण के साधन लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. खाद और उर्वरक में अंतर स्पष्ट कीजिए। साथ ही खाद के लाभ, उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग की हानियाँ तथा मिट्टी में पोषक तत्वों की पूर्ति में फसल चक्रण की भूमिका समझाइए।
20. सिंचाई किसे कहते हैं? फसल के लिए जल का महत्त्व बताते हुए सिंचाई के स्रोत, पारंपरिक विधियाँ तथा आधुनिक विधियाँ समझाइए।

HOTS

21. एक किसान के खेत में कई दिनों तक लगातार वर्षा होने के बाद अचानक बहुत गर्म मौसम हो जाता है। अनुमान लगाइए कि इन दोनों स्थितियों का फसल पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। किसान फसल की सुरक्षा के लिए कौन-कौन से उचित कदम उठा सकता है?

100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

अध्याय-1 | फसल उत्पादन एवं प्रबंध

1. (b) एक ही किस्म के पौधों को किसी स्थान पर बड़े पैमाने पर उगाने पर उसे फसल कहते हैं।
2. (c) धान, मक्का, सोयाबीन
3. (c) अक्टूबर से मार्च
4. (d) मिट्टी तैयार करना
5. (b) जुताई
6. (c) कल्टीवेटर
7. (b) वे खोखले और हल्के हो जाते हैं।
8. (c) बीजों को उचित दूरी व गहराई पर बोना।
9. (b) रोपाई
10. (a) दलहनी फसलें तथा उनकी जड़ों में पाए जाने वाले राइजोबियम जीवाणु मिट्टी में नाइट्रोजन की पूर्ति में सहायक होते हैं।
11. Fill in the blank : उर्वरक
12. Fill in the blank : खाद
13. True and False : सत्य
14. True and False : सत्य
15. खेत में फसल के साथ प्राकृतिक रूप से उगने वाले अवांछित पौधे खरपतवार कहलाते हैं। खरपतवार हटाने की प्रक्रिया निराई कहलाती है। खरपतवारों को हाथ, खुरपी व खरपतवारनाशी से नियंत्रित किया जा सकता है।
16. कटी हुई फसल से दानों को भूसे से अलग करने की प्रक्रिया थ्रेशिंग कहलाती है। कंबाइन मशीन हार्वेस्टर और थ्रेशर का संयुक्त रूप है।
17. पकी हुई फसल को काटना कटाई कहलाता है।
 - फसल को भूमि के पास से काटा या पौधों को उखाड़ा जा सकता है।
 - हाथ से कटाई के लिए दराँती का उपयोग किया जाता है।
 - मशीन द्वारा कटाई के लिए हार्वेस्टर का प्रयोग होता है।
- भारत में कटाई से पोंगल, बैसाखी, बिहू, नबान्न आदि त्योहार जुड़े हैं।
18. ताजा अनाज में नमी अधिक होती है।
 - अधिक नमी से अनाज में कवक, जीवाणु तथा कीटों का प्रकोप हो सकता है।
 - इसलिए भंडारण से पहले दानों को धूप में अच्छी तरह सुखाया जाता है।
 - छोटे स्तर पर जूट के बोरे और धातु के पात्र उपयोग किए जाते हैं।
 - बड़े स्तर पर साइलो और भंडार गृह उपयोग किए जाते हैं।
 - घरों में सूखी नीम की पत्तियों का उपयोग भी अनाज की सुरक्षा के लिए किया जाता है।
19. खाद और उर्वरक :

खाद :

 - प्राकृतिक एवं जैविक पदार्थ।
 - पौधों तथा जन्तुओं के अपशिष्ट के अपघटन से बनती है।
 - मिट्टी में ह्यूमस बढ़ाती है।
 - मिट्टी को भुरभुरी एवं सरंघ बनाती है।
 - मिट्टी की जलधारण क्षमता में वृद्धि करती है।

उर्वरक:

 - विशेष पोषक तत्वों से समृद्ध रासायनिक पदार्थ।
 - सामान्यतः कारखानों में बनाए जाते हैं।
 - **उदाहरण** – यूरिया, सुपर फॉस्फेट, पोटाश, NPK आदि।
 - इनके अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता कम हो सकती है और जल प्रदूषण हो सकता है।

फसल चक्रण : अलग-अलग प्रकार की फसलों को क्रम से उगाने पर मिट्टी के पोषक तत्वों की पूर्ति में सहायता मिलती है। दलहनी पौधों की जड़ों में पाए जाने वाले राइजोबियम जीवाणु वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करते हैं।

20. सिंचाई : निश्चित अंतराल पर खेत में जल देने की प्रक्रिया सिंचाई कहलाती है।

जल का महत्त्व :

- बीजों के अंकुरण के लिए आवश्यक।
- पौधों की वृद्धि एवं विकास में सहायक।
- मिट्टी से खनिज और पोषक तत्वों के अवशोषण में सहायक।
- मिट्टी में आवश्यक नमी बनाए रखना।

सिंचाई के स्रोत : कुएँ, जलकूप, तालाब/झील, नदियाँ, बाँध और नहरें।

पारंपरिक विधियाँ :

- मोट
- चेन पंप
- ढेकली
- रहट

आधुनिक विधियाँ:

- **छिड़काव तंत्र :** जल का छिड़काव वर्षा के समान; असमतल भूमि में उपयोगी।
- **ड्रिप तंत्र :** पानी बूंद-बूंद सीधे जड़ों तक; जल की बहुत अधिक बचत।

21. लगातार वर्षा से खेत में जलभराव हो सकता है, जिससे जड़ों को पर्याप्त वायु नहीं मिलती और पौधे कमजोर हो सकते हैं। अचानक अधिक गर्मी से मिट्टी और पत्तियों से जल का वाष्पीकरण तेजी से बढ़ सकता है, जिससे पौधे मुरझा सकते हैं।

किसान को-

- खेत से अतिरिक्त जल निकालने की व्यवस्था करनी चाहिए।
- मिट्टी में उचित नमी बनाए रखनी चाहिए।
- आवश्यकता के अनुसार समय पर सिंचाई करनी चाहिए।
- जल की कमी होने पर ड्रिप या छिड़काव सिंचाई जैसी जल बचत विधियों का उचित उपयोग करना चाहिए।
- मौसम के अनुसार फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए।

पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसा चाहें!

100% FREE!

Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Download Mission Gyan App